जोबन धन पावना दिन चारा जी भजन लिरिक्स

जोबन धन पावना दिन चारा जी,

दोहा – आया था किस कारणे,
ने सोया चादर तान,
एक दिन जम ले जावसी,
पकड तुम्हारे कान।

जोबन धन पावना दिन चारा जी,
ज्यारो गरब करे सु गिवारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी।bd।

अरे हाड मास का बनीया पिंजरा,
अरे हाड मास का बनीया पिंजरा,
भीतर भरीया भंगारा,
ए ऊपर रंग सोने रो लगायो जी,
ऊपर रंग सोने रो लगायो,
कारीगर किरतारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी,
ज्यारो गरब करे सु गिवारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी।bd।

अरे पशु चाम रा बने पनेहा,
पशु चाम रा बने पनेहा,
नोपत मंडे नगाडा जी,
नर तेरी चाम काम नही आवे जी,
नर तेरी चाम काम नही आवे,
बल जल होवे अंगारा,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी,
ज्यारो गरब करे सु गिवारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी।bd।

दस मस्तक ज्यारी बीस भुजा थी,
दस मस्तक ज्यारी बीस भुजा थी,
रावण के परिवारा जी,
अरे एडा एडा योध्दा धरण मे गलीया,
एडा एडा योध्दा धरण मे गलीया,
लंका के सिरदारा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जोबन धन पावणा दिन चारा जी,
ज्यारो गरब करे सु गिवारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी।bd।

अरे ओ संसार ओस वालो पानी बीरा,
ओ संसार ओ वालो पानी,
जातोनी लागे वारा जी,
कहत कबीर सुनो भई संतो,
कहत कबीर सा सुनो भई संतो,
भवजल उतरो पारा,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी,
ज्यारो गरब करे सु गिवारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी।bd।

जोबन धन पावणा दिन चारा जी,
ज्यारो गरब करे सु गिवारा ओ,
जोबन धन पावणा दिन चारा जी।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com